सम.-11014/7/2019-समन्वय
भारत सरकार
कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय
(समन्वय प्रभाग)
****

तृतीय तल, कौशल भवन,
न्यू मोती बाग, नई दिल्ली-110023
दिनांक: 09 नवंबर, 2023

कार्यालय ज्ञापन

विषय: एसडीईई मंत्रालय से संबंधित मंत्रिमंडल के लिए मासिक सारांश

अधोहस्ताक्षरी को सितंबर, 2023 माह के महत्वपूर्ण कार्यकलापों का मासिक सारांश हिंदी और अंग्रेजी में सूचना के लिए अग्रेषित करने का निर्देश दिया गया है।

संलग्न: यथोक्त

9/11/23
(अखिलेश कुमार राय)
अवर सचिव (समन्वय)

सेवा में:

भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग

प्रतिलिपि सूचनार्थ:

मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110001

सितंबर, 2023 माह के दौरान इस मंत्रालय की कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ/पहल इस प्रकार हैं:

1. माननीय शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी और माननीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री श्री राजीव चन्द्रशेखर की उपस्थिति में 04 सितंबर, 2023 को

Scanned with OKEN Scanner

नई दिल्ली में शिक्षा मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय तथा मेटा के बीच छात्रों, शिक्षकों और उद्यमियों की एक पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 3 वर्ष की भागीदारी "शिक्षा से उद्यमशीलता" शुरू की। माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह 'शिक्षा से उद्यमशीलता' भागीदारी एक गेम-चेंजर है, जो डिजिटल कौशल को जमीनी स्तर तक ले जाएगा और प्रतिभा पूल की क्षमता-निर्माण करेगा, छात्रों, युवाओं, कार्यबल और सूक्ष्म-उद्यमियों को भावी प्रौद्योगिकियों के साथ सहजता से जोड़ेगा और 'अमृत पीढी' को आधुनिक समस्या समाधानकर्ताओं और उद्यमियों में परिवर्तित कर देगा।

2. माननीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री श्री राजीव चन्द्रशेखर की उपस्थिति में माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 13 सितंबर, 2023 को भारत के कौशल, शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता परिदृश्य में सामंजस्य स्थापित करने और बदलने के उद्देश्य से एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) शुरू किया। एसआईडी भारत के कौशल, शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता इकोसिस्टम के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) है। यह डिजिटल प्रौद्योगिकी और उद्योग 4.0 कौशल पर फोकस करते हुए, कौशल विकास को अधिक नवीन, सुलभ और वैयक्तिक बनाने की दृष्टि से प्रेरित है, और कुशल प्रतिभा की नियुक्ति में तेजी लाने, आजीवन सीखने और कैरियर की उन्नति की सुविधा प्रदान करने में एक सफलता होगी। यह मंच उन लाखों भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतीक है जो बेहतर अवसर और उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं क्योंकि यह उद्योग-प्रासंगिक कौशल पाठ्यक्रम, जॉब के अवसर और उद्यमशीलता सहायता प्रदान करता है।

3. माननीय केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और माननीय लोकसभा अध्यक्ष, श्री ओम बिड़ला ने 17 सितंबर, 2023 को आधिकारिक रूप से प्रारम्भ होने वाले समारोह के साथ एनएसडीसी और इंडसइंड बैंक के साथ 'स्किल्स ऑन व्हील्स' पहल की शुरुआत की। इस भागीदारी के अंतर्गत, अपनी युवा आबादी को प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके ग्रामीण परिवारों की आजीविका में सुधार लाने के उद्देश्य से 60,000 युवाओं को पांच वर्ष की अवधि में सशक्त बनाया जाएगा। इस सहयोग के तहत, पुनःसुसज्जित उपकरणों के साथ एक अनुकूलित बस 'स्किल्स ऑन व्हील्स' के माध्यम से 'स्किल इंडिया मिशन' पहल को बढ़ावा देगी और आकांक्षीय और पिछड़े जिलों की विस्तृत रूप में यात्रा करेगी। इस पहल का उद्देश्य निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाना है, जो युवाओं को मजबूत कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से अपने जीवन की दिशा को गहराई से बदलने में सक्षम बनाता है।

4. माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 27 सितंबर, 2023 को शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालयों की एजेंसियों तथा आईबीएम के बीच 8 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर की अध्यक्षता की। समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत भारत में युवाओं को

Scanned with OKEN Scanner

3. माननीय केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और माननीय लोकसभा अध्यक्ष, श्री ओम बिड़ला ने 17 सितंबर, 2023 को आधिकारिक रूप से प्रारम्भ होने वाले समारोह के साथ एनएसडीसी और इंडसइंड बैंक के साथ 'स्किल्स ऑन व्हील्स' पहल की शुरुआत की। इस भागीदारी के अंतर्गत, अपनी युवा आबादी को प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके ग्रामीण परिवारों की आजीविका में सुधार लाने के उद्देश्य से 60,000 युवाओं को पांच वर्ष की अवधि में सशक्त बनाया जाएगा। इस सहयोग के तहत, पुनःसुसज्जित उपकरणों के साथ एक अनुकूलित बस 'स्किल्स ऑन व्हील्स' के माध्यम से 'स्किल इंडिया मिशन' पहल को बढ़ावा देगी और आकांक्षीय और पिछड़े जिलों की विस्तृत रूप में यात्रा करेगी। इस पहल का उद्देश्य निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाना है, जो युवाओं को मजबूत कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से अपने जीवन की दिशा को गहराई से बदलने में सक्षम बनाता है।

4. माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 27 सितंबर, 2023 को शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालयों की एजेंसियों तथा आईबीएम के बीच 8 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर की अध्यक्षता की। समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत भारत में युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कौशल के साथ सशक्त बनाने हेतु क्यूरेटेड पाठ्यक्रम प्रदान किए जाएंगे। यह सहयोग स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और एआई (जेनरेटिव एआई सहित), साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग और व्यावसायिक विकास कौशल जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों संबंधी व्यावसायिक कौशल में शिक्षार्थियों को कुशल बनाने के लिए एक पाठ्यक्रम के सह-निर्माण पर फोकस करेगा। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, माननीय केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत अपनी विशाल और युवा आबादी के साथ, जबरदस्त क्षमता के शिखर पर खड़ा है और इस जनसांख्यिकीय लाभांश का दोहन करने के लिए आज के आधुनिक कार्यबल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है।

5. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय, भारतीय उद्यमशीलता संस्थान ने मंत्रालय की स्कीमों और कार्यक्रमों के प्रसार, क्षेत्र में उद्यमशीलता और कौशल विकास से संबंधित कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता और प्रचार, कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि पैदा करने, अंतराल की पहचान करने, सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा करने और कौशल और

Scanned with OKEN Scanner

उद्यमशीलता के क्षेत्रों में प्रयासों के अभिसरण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए "मंथन - उत्तर-पूर्वी कौशल और उद्यमशीलता कॉन्क्लेव" का आयोजन किया।

6. (i). **प्रधान मंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला (पीएमएनएएम):** राज्यों/संघ-राज्य क्षेत्रों को सलाह दी गई है कि वे राज्य के कुल जिलों के 1/3 में प्रत्येक दूसरे सोमवार को पीएमएनएएम आयोजित करें, ताकि सभी जिलों को तीन माह में एक बार और वर्ष में चार बार कवर किया जा सके। राज्यों/संघ-राज्य क्षेत्रों को स्थानीय परिस्थितियों/त्योहारों आदि के आधार पर जिला/स्थान और मेला का दिन चुनने की छूट दी गई है। तदनुसार, अगस्त महीने के लिए, पीएमएनएएम का आयोजन दिनांक 11.09.2023 को किया गया था। इसके साथ, जून, 2022 के महीने से अब तक देश में 2,859 स्थानों पर 14 पीएमएनएएम आयोजित किए जा चुके हैं। कुल मिलाकर, उम्मीदवारों की संख्या 4.01 लाख तक पहुंच गई है और पीएमएनएएम में भाग लेने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या 23,154 है। पीएमएनएएम शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए एक एडवोकेसी प्लेटफॉर्म के रूप में भी कार्य करता है। प्रत्येक महीने पीएमएनएएम के बाद, अगले 20 दिनों के लिए शिक्षुता अनुबंधों को ट्रैक किया गया और 5.16 लाख शिक्षुता अनुबंध सृजित पाए गए, जिसमें पीएमएनएएम के बाह्य सृजित अनुबंध भी शामिल हो सकते हैं।

(ii). शिक्षुता प्रशिक्षण की स्थिति: सितंबर 2023 माह के दौरान प्रतिष्ठानों द्वारा नियुक्त नए शिक्षुओं की संख्या 78,014 है और चालू वित्तीय-वर्ष 2023-24 के दौरान सम्बद्ध कुल शिक्षुओं की संख्या 4,20,589 है और 30 सितंबर तक चालू प्रशिक्षण 6.96 लाख है। 30 सितंबर 2023 तक शिक्षुओं को नियुक्ति प्रदान करने वाले प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 41,782 है।

7. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई), जनरेशन इंडिया फाउंडेशन (जीआईएफ) और अमेज़ॅन वेब सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एडब्ल्यूएस इंडिया) के सहयोग से अंबर परियोजना के अंतर्गत 1,500 शिक्षार्थियों को 'क्लाउड' कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है और उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ रहा है। तकनीकी उद्योग और वंचित समूहों में जेंडर विविधीकरण में सुधार के लिए महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करने हेतु एमएसडीई के संकल्प कार्यक्रम के तहत यह पहल की गई है। इस सहयोग के भाग के रूप में, शिक्षार्थी एडब्ल्यूएस (पुनः/प्रारम्भ) में भाग लेते हैं, जो बेरोजगार और अल्प-रोज़गार वाले व्यक्तियों के लिए एक

Scanned with OKEN Scanner

कार्यबल विकास कार्यक्रम है, जिसमें मौलिक एडब्ल्यूएस क्लाउड कौशल के साथ-साथ बायोडाटा लेखन और साक्षात्कार की तैयारी सहित व्यावहारिक कैरियर युक्तियां शामिल हैं।

8. नये पोर्टलों का विकास:

(i). जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए सितंबर 2023 के महीने में आईटीआई द्वारा आयोजित कार्यकलापों का डेटा एकत्र करने के लिए मासिक वेबफॉर्म (https://dgt.gov.in/G-20) बनाया गया।

(ii). संबद्धता के बाद नए आईटीआई के विवरण प्राप्त करने और मौजूदा एनसीवीटी एमआईएस पोर्टल पर उनके लॉगिन विवरण के सृजन हेतु नए पोर्टल (https://dgt.gov.in/itidetails) का रख-रखाव, तत्पश्चात भावी संदर्भों के लिए डेटा को व्यवस्थित रूप से एक स्थान पर रखना।

9. **राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2023:** भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर, 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान की स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय एक कठोर, पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से चयनित देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने के लिए प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस पर एक राष्ट्रीय स्तर का समारोह आयोजित करता रहा है। इस वर्ष से, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के दायरे का विस्तार किया गया और इसमें उच्च शिक्षा विभाग और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के शिक्षकों को शामिल किया गया। इस वर्ष 50 स्कूल शिक्षकों, उच्च शिक्षा से 13 शिक्षकों और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय से 12 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

10. एमएसडीई ने 18 सितंबर 2023 को हैदराबाद में 17वें भारत-सिंगापुर विदेश कार्यालय परामर्श में भाग लिया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) श्री सौरभ कुमार ने की। इस बैठक के दौरान, एमएसडीई ने प्रतिभागियों को भारत और सिंगापुर के बीच कौशल विकास के क्षेत्र में प्रस्तावित समझौता ज्ञापन पर प्रगति से अवगत कराया।

11. माननीय प्रधान मंत्री ने कारीगरों और शिल्पकारों को क्रेडिट सहायता के साथ आधुनिक उपकरणों और तकनीकों से लैस करने के लिए 17 सितंबर 2023 को यशोभूमि, नई दिल्ली में

Scanned with OKEN Scanner

प्रधान मंत्री विश्वकर्मा (पीएमवी) योजना शुरू की। इस कार्यक्रम में 800 से अधिक विश्वकर्मा शामिल हुए। पीएमवी के अंतर्गत, कौशल आकलन, टूल-किट के लिए ई-वाउचर, 5 दिनों का बुनियादी प्रशिक्षण और 15 दिनों का अग्रिम प्रशिक्षण, उसके बाद आकलन और प्रमाणीकरण प्रदान किया जाएगा।

12. 30 सितंबर 2023 तक लगभग 5 लाख उम्मीदवार पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत नामांकित हैं। सितंबर 2023 के महीने में 12,000 (लगभग) उम्मीदवारों ने अपना नामांकन कराया है। इसके अलावा, 196 नए संस्थानों ने सितंबर 2023 के महीने में पीएमकेवीवाई 4.0 के कार्यान्वयन के लिए स्किल इंडिया डिजिटल पर पंजीकरण कराया है।

13. उपर्युक्त पहलों के अलावा, सभी डिलिवरेबल्स के त्वरित निपटान में अत्यधिक तत्परता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई आंतरिक उपायों के माध्यम से कार्य निष्पादन को युक्तिसंगत बनाने की चल रही प्रक्रिया जारी रखी गई है।

******

Scanned with OKEN Scanner